हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 24 मार्च 2025

11 शहीदों की जयंती और पुण्यतिथियों को त्योहारों के रूप में मनाना...

12 राज्यसभा सांसद ने जाखल के पार्षदों व पंचायत प्रतिनिधियों से...

खबर संक्षेप

नशीली गोलियों सहित एक गिरफ्तार

फतेहाबाद। मेडिकल नशे की तस्करी करने वालों की धरपकड़ करते हुए जिला पुलिस ने भूना से हिसार के एक युवक को भारी मात्रा में नशीली दवाओं सहित गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवक की पहचान सोनू पुत्र रूपचंद निवासी पाबड़ा जिला हिसार के रूप में हुई है। हरियाणा राज्य नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो की टीम एएसआई जयवीर सिंह के नेतृत्व में नशा तस्करों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। टीम जब भूना में मिल्क पलांट के पास पहुंची तो उन्हें सूचना मिली कि सोनू पुत्र रूपचंद निवासी पाबड़ा जिला हिसार नशीली गोलियां बेचने का धंधा करता है और आज वह भूना

सड़क किनारे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

डबवाली। शहर के सिरसा रोड पर सडक़ किनारे एक व्यक्ति की लाश पड़ी मिली है। एसएचओ सिटी शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि लाश 4-5 दिन पुरानी लगती है। इस बाबत पुलिस ने सूचना मिलने पर लाश को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि मृतक के बारे में कुछ लोगों ने बताया कि वह इलाके में घूमता रहता था। फिलहाल पुलिस ने शव को पहचान के लिए डबवाली के सिविल अस्पताल में रखा है।

बैलों से भरा कैंटर पकड़ा चालक गिरफ्तार

फतेहाबाद। जाखल में गौरक्षा दल के सदस्यों ने पंजाब से यूपी जा रहे एक कैंटर से 4 बैलों को पकड़ा है। इस मामले में जाखल पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में जाखल मण्डी निवासी साहिल ने कहा है कि वह गौरक्षा दल का सदस्य है। रात को जब वह अपने साथी सुशील निवासी जाखल के साथ बस अड्डे के पास खड़ा था तो उसे सूचना मिली कि एक कैंटर जोकि पंजाब की तरफ से आ रहा है, उसमें काफी संख्या में गौवंश लोड है। यह कैंटर पंजाब से जाखल मण्डी होते हुए यूपी की तरफ जाएगा।

जिले से मां-बेटी सहित तीन लोग लापता

फतेहाबाद। जिले में अलग-अलग स्थानों से मां-बेटी सहित तीन लोगों के लापता होने का समाचार है। दोनों मामलों में परिजनों द्वारा सम्बंधित थानों में शिकायत दर्ज करवाई गई है। पहले मामले में पुलिस को दी शिकायत में भट्टूकलां निवासी एक व्यक्ति ने कहा है कि उसकी 16 वर्षीय लडक़ी रात को घर पर सोई थी। सुबह जब वह उठे तो उन्होंने देखा कि उसकी लडक़ी घर से गायब थी। इस पर उन्होंने काफी जगह उसकी तलाश की लेकिन जब उसका कहीं कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

जूडो खेल नर्सरी के लिए ट्रायल आज

सिरसा। शहीद भगत सिंह खेल स्टेडियम में 24 मार्च को वर्ष 2025-26 के लिए जूडो खेल की सरकारी खेल नर्सरी के लिए खिलाडिय़ों के ट्रायल लिए जाएंगे। इस खेल नर्सरी में अर्चना जूडो कोच द्वारा कोचिंग दी जाएगी। जूडो खेल ओलंपिक कॉमनवेल्थ एशियन गेम में खेला जाने वाला है, इसमें खिलाडिय़ों के लिए अपना करियर बनाने के लिए काफी अवसर है। जूडो कोच अर्चना ने बताया कि इस स्कीम में 8 से 15 वर्ष के चयनित खिलाड़ियों को 2 हजार प्रतिमाह और 15 से 19 वर्ष के चयनित खिलाडिय़ों को 2500 प्रतिमाह राशि दी जाएगी। उन्होंने बताया कि ट्रायल के लिए आने वाले युवा अपने साथ बैंक खाते की प्रति अवश्य लेकर आएं।

स्वर्णकार सभा की कार्यकारिणी घोषित, सुरेन्द्र महासचिव, मोहन लाल बने संरक्षक

समाज में जनकल्याण को प्राथमिकता देकर कार्य किया जाएगा : प्रधान मौसूण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

स्वर्णकार सभा फतेहाबाद के प्रधान कृष्ण सोनी ने रविवार को स्वर्णकार सभा की कार्यकारिणी घोषित की। धर्मशाला रोड स्थित स्वर्णकार सेवा सदन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुनहरी लाल ने समाज के बीते वर्ष की कार्यकारिणी का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई कार्यकारिणी समाज के सभी लोगों को साथ लेकर चलेगी। नवनियुक्त प्रधान कृष्ण मौसूण ने कहा कि चाहे वह चुनाव जीते हो लेकिन अब उनकी जिम्मेवारी है कि वह पूरे समाज को साथ लेकर चलें। समाज में जनकल्याण को प्राथमिकता देकर कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें समाज में राजनीतिक रूप से भी आगे बढऩे की जरूरत है। जो समाज राजनीति में आगे रहा है, उसने कभी पीछे मुडक़र नहीं देखा। बेशक राजनीति समाज से जुड़े मामलों पर हावी न होने दी जाए। इसके बाद बैठक में समाज के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में कृष्ण सोनी ने कार्यकारिणी की घोषणा की जिसमें मोहन लाल सहदेवड़ा को संरक्षक, सुरेन्द्र जाखौद को महासचिव, सुरेन्द्र भूथन को कोषाध्यक्ष, राजेन्द्र मानावाली को वरिष्ठ उपप्रधान, ओमप्रकाश सेवक व पवन तोषावड़ को उपप्रधान, कपिल अग्रोहिया को सहसचिव, सुनील कुमार को सहायक कोषाध्यक्ष, एडवोकेट नरेश सोनी व नरेन्द्र कुमार को कानूनी सलाहाकार तथा पवन कुमार को ऑडिटर नियुक्त किया गया। इसके अलावा 21 कार्यकारिणी सदस्य भी बनाए गए हैं। इनमें कृष्ण कुमार, दीनानाथ देवाल, प्रेम कुमार, अमरीक सिंह, सुनहरी लाल, हरीश कुमार, सुभाष कुमार, रोशन लाल, सुभाष चन्द्र, प्रवीन कुमार, प्रकाश चंद मौसूण, राजेश कुमार, दीपक, रमेश, दीपक कुमार, सुमित सहदेवा, छोटूराम रोड़ा, गौरव भूथन, सीताराम मौसूण व नवीस सचदेवा शामिल हैं। कार्यक्रम में कुशल मंच संचालन समाज के वरिष्ठ सदस्य सुनहरी लाल ने किया।

खास खबर

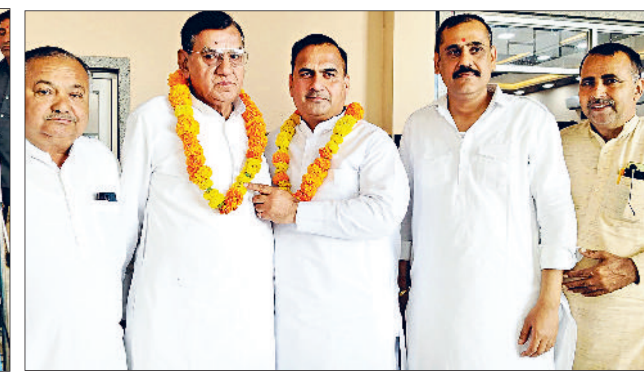

फतेहाबाद। स्वर्णकार सभा कार्यकारिणी की घोषणा करते वरिष्ठ सदस्य सुनहरी लाल व स्वर्णकार सभा पदाधिकारियों को बधाई देते प्रधान कृष्ण सोनी। फोटो :हरिभूमि

महाग्राम योजना : जुलाई 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा काम

भट्टूकलां में बिछेगी सीवरेज पाइप लाइन 33 करोड़ 50 लाख की मिली मंजूरी

■ प्रोजेक्ट पर काम हुआ शुरू, खाबड़ा रोड पर बनेगा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट

गांव भट्टूकलां के खाबड़ा रोड पर साढ़े 4 एकड़ में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी निर्माण होगा। भट्टू मंडी से गांव में बनने वाले सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट सीवरेज लाइन के बीच में सीवरेज के 4 मेन चेंबर बनाए जाएंगे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहरों की तर्ज पर अब फतेहाबाद जिले के ब्लाक भट्टूकलां में सीवरेज की पाइप लाइन डाली जाएगी। सीवरेज की पाइप लाइन डालने के लिए 33 करोड़ 50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। यह काम जुलाई 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। प्रदेश सरकार ने सीवरेज लाइन बिछाने को अपनी स्वीकृति भी दे दी है। यह प्रोजेक्ट महाग्राम योजना के तहत स्वीकृत किया गया है। बता दें कि भट्टूकलां जिले का पहला गांव होगा, जहां सीवरेज पाइप लाइन की सुविधा लोगों को मिलेगी। बरसों से यहां के लोगों की मांग थी कि यहां पर सीवरेज लाइन डाली जाए वहीं सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी निर्माण किया जाए। महाग्राम योजना के तहत यहां खाबड़ा रोड पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट भी बनाया जाएगा। भट्टूकलां में पहली बार सीवरेज पाइप लाइन बिछाने का कार्य ए-वन कालोनी से शुरू हो चुका है। यह पाइप लाइन भट्टू मंडी की सभी कालोनियों को जोड़ते हुए गांव भट्टूकलां के मोहल्ले में पहुंचेगी। सभी मोहल्लों में सीवरेज लाइन बिछने से लोगों को अनेक तरह की परेशानियों से निजात मिलेगी। इस योजना के तहत गांव भट्टूकलां के खाबड़ा रोड पर साढ़े 4 एकड़ में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी निर्माण होगा। भट्टू मंडी से गांव में बनने वाले सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट सीवरेज लाइन के बीच में सीवरेज के 4 मेन चेंबर बनाए जाएंगे। जहां से मल निकासी का कार्य लिफ्टिंग पंप से होगा। इस पूरी लाइन के लिए भट्टू कलां विद्युत निगम 33 केवी सब स्टेशन से लेकर चारों चेंबर स्थल को जोड़ते हुए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तक 1 करोड़ 18 लाख की लागत से बिजली की हाट लाइन बिछा दी गई है। जल्द ही इसका कनेक्शन भी जोड़ दिया जाएगा।

2018 में नक्शे सहित पूरी फाइल तैयार होने का कार्य शुरू हुआ, लेकिन किन्हीं कारणों से यह फाइल चंडीगढ़ अटक कर रह गई। इस बार भट्टूमंडी के तत्कालीन सरपंच एवं वर्तमान में पंचायत समिति वाइस चेयरमैन बंसीलाल ने बताया कि उन्होंने तत्कालीन विधायक दुड़ाराम की मदद से सभी दस्तावेज पूरे करते हुए मुख्यमंत्री से मिले थे। इसके बाद यह फाइल निकाली गई और इस पर कार्य शुरू हुआ है।

2019 में महाग्राम में शामिल हुआ था गांव

बता दें कि भट्टूकलां को महाग्राम योजना में वर्ष 2017 में शामिल किया गया था। इसके लिए 2018 में नक्शे सहित पूरी फाइल तैयार होने का कार्य शुरू हुआ, लेकिन किन्हीं कारणों से यह फाइल चंडीगढ़ अटक कर रह गई। इस बार भट्टूमंडी के तत्कालीन सरपंच एवं वर्तमान में पंचायत समिति वाइस चेयरमैन बंसीलाल ने बताया कि उन्होंने तत्कालीन विधायक दुड़ाराम की मदद से सभी दस्तावेज पूरे करते हुए मुख्यमंत्री से मिले थे। इसके बाद यह फाइल निकाली गई और इस पर कार्य शुरू हुआ है।

क्या कहते हैं अधिकारी

जन स्वास्थ्य विभाग के कनिष्ठ अभियंता अश्विनी कुमार ने बताया कि सीवरेज लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया गया है। यह प्रोजेक्ट जुलाई 2026 तक पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट के तहत यहां 33 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से सीवरेज लाइन बिछाने व सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण होगा, जिससे लोगों को शहर जैसी सुविधा उपलब्ध होगी।

पीएम श्री रत्ताखेड़ा का वार्षिक उत्सव

छात्राओं ने नृत्य, कविता पाठ और नशे पर लघु नाटक प्रस्तुत किया

फतेहाबाद। पीश्री राजकीय व.मा. विद्यालय रत्ताखेड़ा के वार्षिक उत्सव पर पौधरोपण करते डीईओ। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गांव रत्ताखेड़ा स्थित पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक उत्सव का धूमधाम से आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई ने भाग लिया। विशिष्ट अतिथि गांव के सरपंच अरविंद सिहाग तथा एसएमसी की प्रधान परमजीत कौर रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश मखीजा ने की। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत से मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा विद्यालय प्रांगण में पौधरोपण भी किया गया। मंच संचालन विद्यालय के गणित प्रवक्ता अमित पूनिया तथा प्रवक्ता साहिब कौर ने किया। उन्होंने विद्यालय की उपलब्धियों व गतिविधियों बारे जानकारी दी। वार्षिक उत्सव में विद्यालय की छात्राओं ने नृत्य, कविता पाठ, नशे पर लघु नाटक व लोकगीत प्रस्तुत किया। छात्राओं द्वारा थाली बजेगी व पंजाबी भंगड़ा प्रस्तुत करके सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि संगीता बिश्नोई द्वारा पीएमश्री स्कूल के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सरकारी स्कूलों में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया और सभी ग्राम वासियों और अभिभावकों को अपने बच्चों को सरकारी विद्यालय में दाखिला करवाने का आह्वान किया। विद्यालय प्रधानाचार्य ने विद्यालय की उपलब्धियां बताते हुए विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। जिन विद्यार्थियों ने शैक्षणिक, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों व अन्य प्रतियोगिताओं में विद्यालय का नाम रोशन किया उन सभी विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बच्चों को मिठाई भी वितरित की गई।

जैव तकनीकी, खाद्य संरक्षण पर विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी विभाग में जैव तकनीकी का खाद्य प्रसंस्करण में योगदान विषय पर विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया। संत लोंगोवाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के प्रो. परमजीत सिंह पानेसर मुख्य वक्ता थे। उन्होंने भारत में खाद्य तकनीकी की अपार संभावनाओं पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। प्रो. पानेसर ने जैव तकनीकी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह क्षेत्र वर्तमान समय की प्रमुख आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने बताया कि बढ़ती वैश्विक आबादी और घटते कृषि योग्य क्षेत्रों के कारण संभावित खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है। ऐसे में उत्पादकता बढ़ाने के लिए जैव तकनीकी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि सीमित संसाधनों में अधिक उत्पादन प्राप्त करने की चुनौती को जैव तकनीकी के माध्यम से प्रभावी ढंग से हल किया जा सकता है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के साथ विद्यार्थी।

पुलिस नशा करने व बेचने वालों के ठिकानों पर दे रही दबिश

अवैध रूप से नशा बेचने वालों पर सख्ती

डबवाली। डबवाली पुलिस लगातार नशा करने व नशा बेचने वालों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। इसी कड़ी में प्रभारी सुरक्षा शाखा सुभाष चंद्र व स्वैट टीम कमांडो पुलिस टीम ने गांव अबूबशहर में अवैध रूप से नशा बेचने व नशा करने वालों के ठिकानों की चेकिंग की। प्रभारी सुरक्षा शाखा सुभाष चंद्र ने बताया कि उनके निर्देशन में स्वैट टीम कमांडो के द्वारा अबूबशहर गांव में नहर के आस-पास के जंगलों में छानबीन की गई। साथ ही आने जाने वाले संदिग्धों की तलाशी ली गई। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में डबवाली क्षेत्र में कहीं पर भी नशा बेचने नहीं दिया जाएगा। डबवाली पुलिस की अलग-अलग टीमें इस अभियान में दिन रात जोरशोर से लगी हुई है। उन्होंने कहा कि यदि कोई कहीं अवैध रूप से नशा बेचता है तो उसके लिए कोई भी व्यक्ति गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस को इसकी सूचना दे सकता है और उसका नाम भी गुप्त रखा जाएगा।

दुष्कर्म के बाद बालिग होने पर शादी का किया वादा, अब मुकरे

2016 में दो लोगों ने किया था दुष्कर्म, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

भूना पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में गांव नहला के दो युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया है। सोनीपत जिले के गोहाना उप तहसील के एक गांव की महिला ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पहले जीरो एफआईआर दर्ज करवाई, जिसके बाद अब भूना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला वर्ष 2016 का है। तब आरोपियों और उनके परिवार ने लड़की के बालिग होने पर शादी का भरोसा दिया था। इसी कारण कानूनी कार्रवाई नहीं करवाई गई। अब आरोपी और उनके परिवार के लोग अपने वादे से मुकर गए। पीड़िता की मां ने नहला गांव के संदीप उर्फ बिट्टू और मंजीत नहला के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376(2)एन, 506, 34 और पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करवाया है। पीड़िता ने बताया कि उसकी बेटी अपनी भाभी के मायके आई थी। वहां पड़ोस के दो युवकों ने उसे अकेला पाकर जबरदस्ती दुष्कर्म किया। बेटी ने भाभी को बताया तो आरोपियों की पहचान संदीप उर्फ बिट्टू और मंजीत नहला के रूप में हुई। परिवार की बदनामी के डर से संदीप के घरवालों ने लड़की के बालिग होने पर शादी का भरोसा दिया, लेकिन जब शादी की बात शुरू हुई तो आरोपी और उनके परिवार ने इनकार कर दिया।

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण का फूल मालाओं से किया अभिनंदन

भाजपा सरकार ने स्वर्णकार समाज को दिया पूरा मान-सम्मान : कृष्ण सोनी

शहीदी दिवस पर भगत सिंह को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा का स्वर्णकार समाज द्वारा अभिनंदन किया गया। स्वर्णकार सेवा सदन में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे प्रवीण जोड़ा और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिन तरूण भंडारी का सभा के प्रधान कृष्ण सोनी के नेतृत्व में समाज के लोगों ने फूल मालाओं से स्वागत किया। उन्होंने स्वर्णकार समाज से जुड़े वरिष्ठ नेता प्रवीण जोड़ा को यह महत्वपूर्ण जिम्मेवारी सौंपे जाने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर, सांसद सुभाष बराला का आभार जताया। कार्यक्रम में स्वर्णकार सभा के सचिव सुरेन्द्र जाखौद ने कहा कि भाजपा ने उनके समाज को बड़ा मान-सम्मान दिया है। अब प्रवीण जोड़ा को प्रधान बनाने से समाज उन्नति की ओर बढ़ेगा। इस मौके पर बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान नरेश सोनी, भाजपा नेता टेकचंद मिढ़ा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम से पूर्व स्वर्णकार सेवा सदन में शहीद भगत सिंह के शहीदी दिवस पर भाजपा नेताओं ने उन्हें पुष्प अर्पित कर नमन भी किया।

फतेहाबाद। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा व सीएम के राजनीतिक सचिव तरूण भंडारी का स्वागत करते प्रधान कृष्ण सोनी व शहीद भगत सिंह को नमन करते सीएम के राजनीतिक सचिव तरूण भंडारी, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा व अन्य अतिथिगण। फोटो :हरिभूमि

खोखराकोट

रोहतक शहर में खोखराकोट, एक प्राचीन स्थल है, जिसका उल्लेख महाभारत में मिलता है और यह यौधेय गणराज्य की राजधानी थी। इसकी खुदाई में 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व से 11वीं शताब्दी ईस्वी तक की वस्तुएं मिली हैं, जो इसकी प्राचीनता को दर्शाती हैं। खोखराकोट से यौधेय शासनकाल के सिक्के और मुहरें मिली हैं, जो प्राचीन भारत में सिक्के ढालने की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हैं। रोहतक को पहले रोहतासगढ़ कहा जाता था और यह नाम दो पुराने स्थलों के खंडहर स्थलों (खोखराकोट) पर लागू होता है।

लोक साहित्य की धरोहर हैं पं. रामसरूप सिटावली

सांगी

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणवी का लोक साहित्य समृद्ध रहा है, जिसकी परम्परा बड़ी वैभवशाली है। इसमें हमेशा से सांग और भजन विशेषतः उल्लेखनीय रहे हैं। प्राचीन काल से ही भजनियों के द्वारा समाज के बीच जाकर भजनों से जागृति पैदा करने का रिवाज रहा है। जबकि हरियाणा की प्रसिद्द नाट्य विधा सांग के माध्यम से साँगियों ने जन-मानस के मनोरंजन के साथ-साथ ऐतिहासिक और पौराणिक कथानकों से उन्हें अवगत करने का प्रशंसनीय कार्य किया है।

हरियाणा के सुप्रसिद्ध सांगियों की इस गौरवशाली परम्परा में ही एक नाम है पंडित रामसरूप भारद्वाज सिटावली। पंडित रामसरूप भारद्वाज का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के गाँव सिटावली में 16 मार्च 1916 को हुआ। जनमानस में रामसरूप सिटावाली के नाम से जाने-जाने कवि पंडित रामसरूप का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम पंडित बदलूराम और माता का नाम भागोदेवी था। उन्होंने सोनीपत जिले के गाँव जुआं के राजकीय विद्यालय से आठवीं तक की पढ़ाई पूरी की। युवावस्था में इनका विवाह छोटी देवी के साथ संपन्न हुआ। इनके तीन लड़के पंडित दयानंद शर्मा, पंडित राम रतन शर्मा, पंडित राजेंद्र शर्मा व दो लड़कियां राममूर्ति देवी और लक्ष्मी देवी हुई। पंडित रामसरूप बचपन से ही पढ़ने में बहुत होशियार थे। उनका नाम कक्षा के मेधावी छात्रों में लिया जाता था। उन्होंने बचपन से अपने मन के भावों को कविता के रूप में अभिव्यक्त करना शुरू कर दिया था। उनकी आवाज भी मधुर और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने वाली थी। उन्हीं दिनों को याद करते हुए एक बार उनके सहपाठी रहे मास्टर नवल सिंह और गामड़ी निवासी टीका राम ने बताया था कि एक बार सुप्रसिद्ध कवि पंडित

लख्मीचंद सांग करने के लिए गांव सिटावली आए हुए थे। उनके सांगों को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते थे, एक दिन पंडित रामसरूप भी वहां चले गए। पंडित लख्मीचंद का सांग देखकर वे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने पंडित लख्मीचंद को गुरु धारण कर लिया। जब पंडित लख्मीचंद के कहने पर रामसरूप ने गुरु वंदना करके गाना शुरू किया तो वे बहुत प्रभावित हुए और उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। पंडित रामसरूप के सांग बहुत ही लोकप्रिय रहे। वे अपने समय के बेजोड़ सांगी रहे और उनकी प्रस्तुति पर लोग झूम उठते थे। पंडित रामसरूप ने अनेक सांगों का मंचन किया। वे अपने सांगों में नई-नई बात सुनाते थे जिससे प्रभावित होकर स्वयं उनके गुरुदेव पंडित लख्मीचंद ने उनका नाम 'बिघनी' रख दिया था। उन्होंने इस संबंध में अपनी एक रचना में उल्लेख किया है...

श्री लख्मीचंद गुरु ने धरया बिघनी नाम छांट कै
रामसरूप सिटावली आलां मारै तरले पाट कै।

उन्होंने लगभग दस सालों तक जनमानस के लिए सांग और भजन की प्रस्तुति मंचों से दी। लेकिन दुर्भाग्यवश उनका गला खराब हो गया और उन्होंने सांग करना छोड़ दिया। आजीविका चलाने के लिए पंडित रामसरूप पंडित चिरंजी लाल वकील जो कि पूर्व स्पीकर रहे कुलदीप शर्मा के पिता थे, उनके यहां मुंशी के पद पर काम करते थे। उसी दौरान एक दिन पंडित रामसरूप कुछ लिख रहे थे कि इतने में बाहर से चिरंजीलाल आ गए तो उन्होंने वह कागज अपनी जेब में डाल लिया। इस पर चिरंजीलाल ने कहा कि कविराज! मुझे भी दिखाओ, ऐसा क्या लिख रहे थे जो आप मेरे आते ही छुपा रहे हो तो पंडित रामसरूप ने मना किया। पर बार-बार आग्रह करने पर वह कागज़ उन्हें दे दिया जिस पर लिखा था....

जुलम करै या गवर्नमेंट दे दे पास वकीलां नै
सच पूछो तो भारत देश का कर दिया नास वकीलां नै

यह पढ़कर चिरंजीलाल ने उनकी बहुत सराहना की और बोले आपने बिल्कुल सच्चाई लिखी है। इसके बाद वर्षों तक उनका लेखन जारी रहा। स्वास्थ्य खराब होने के चलते 10 दिसंबर 1976 को पंडित रामसरूप का निधन हो गया। पंडित रामसरूप ने अनेक भजन ,उपदेशक, ब्रह्म ज्ञान के छंद, सोरठे व सांगों की रचना की है। उनके द्वारा जुलाई 1968 में प्रकाशित 'सांगीत कृष्ण का भात' कृति के पृष्ठ आवरण के अनुसार उन्होंने कृष्ण का भात, नल का जन्म, मंदा रानी का दिसोटा (भाग एक), नल गजमोतिन, नरसी का भगत, सती मनोरमा (भाग एक और दो), बजरंग दे (भाग एक और दो), नर सुल्तान निहाल दे (भाग एक,दो और तीन), निहालदे के परवाने, निहालदे सती, सती शीलादे (भाग एक और दो), कृष्ण रुक्मणी सांगों की रचना की। इसके अतिरिक्त हीर रांझा, बीजा सोरठ सांगों की भी लिखें हैं। पंडित रामरतन शर्मा जो पंडित रामसरूप के बेटे हैं और उनकी रचनाओं को समाज की अमानत मानकर सहेजे हुए हैं, के अनुसार उनके द्वारा बनाए गए सांग चंदा भाई, रघुवीर कौर और धर्मपाल शांता कुमारी सांग आज उपलब्ध नहीं हैं।

गौरतलब है कि पिता के संस्कारों के ही प्रभाव से रामरतन शर्मा भी हरियाणवी भजन और रागनियों की रचना करते हैं और एक कवि के रूप में प्रतिष्ठित हैं। पंडित रामसरूप के लिखे सांग और भजन हरियाणा के विभिन्न लोक गायकों द्वारा गाए गये हैं तथा उनकी रचनाएं यूट्यूब पर भी उपलब्ध हैं। रामरतन शर्मा और संस्कृतिकर्मी पंकज शर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंडित रामसरूप के शिष्यों में पंडित लक्ष्मीनारायण, जंगली दास, जगन लाल (नैना), फूल सिंह (खेड़ा), चंदगीराम (पिनाना), रामकिशन रोलद (पिनाना), धन्ना सिंह (सनखेड़ा),शेर सिंह (जुआं), सूरजभान (सिटावली) ने नाम शामिल उल्लेखनीय हैं। जबकि पंडित रामस्वरूप के सांगों से प्रभावित होकर कंवर सिंह (निलोठी), रामचरण (गुमड़), रामकिशन (पिनाना), मेहर सिंह (पुरखास) और जिले सिंह (बरोना) भी उनके शिष्य बने।

पंडित लख्मीचंद का सांग देखकर वे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने पंडित लख्मीचंद को अपना गुरु धारण कर लिया। जब पंडित लख्मीचंद के कहने पर रामसरूप ने गुरु वंदना करके गाना शुरू किया तो वे बहुत प्रभावित हुए और उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। पंडित रामसरूप के सांग बहुत ही लोकप्रिय रहे। वे अपने समय के बेजोड़ सांगी रहे और उनकी प्रस्तुति पर लोग झूम उठते थे। पंडित रामसरूप ने अनेक सांगों का मंचन किया। वे अपने सांगों में नई-नई बात सुनाते थे जिससे प्रभावित होकर स्वयं उनके गुरुदेव पंडित लख्मीचंद ने उनका नाम 'बिघनी' रख दिया था।

पंडित रामसरूप के रचना संसार में जहां विविधता के दर्शन होते हैं वहीं बेहतरीन काव्य सौष्ठव भी दृष्टिगोचर होता है। जनसामान्य की भाषा को अपने काव्य में मजबूती से प्रयोग करके वे लोगों के मन तक पहुंचते हैं। उनके काव्य में छंद के प्रति उनकी निष्ठा स्पष्ट दिखती है तो अलंकार स्वतः प्रष्फुटित होते प्रतीत होते हैं। उस पर भी आध्यात्म, देशप्रेम, लोकाचार, जन संवेदना और कर्तव्यबोध उनकी रचनाओं की विशेषता रहे हैं। पंडित रामसरूप अपनी पारिवारिक स्थिति और गुरु से प्राप्त सन्देश का उल्लेख करते हुए लिखते हैं...

लख्मीचन्द गुरू जी जो कहगे वाहे होगी बात सही
इब रामसरूप सिटावली आला टोहे जा कोय चीज नई
भाई पांच मरे मेरे आगै माता बी स्वर्ग सिधार गई
क्यां की खात्तर के करना न्यूं सोच हरि की शरण लई

एक रचना में उन्होंने परमात्मा को चेताते हुए लिखा है ...

सबके मन की जाणण आला नाम तेरा यू अन्तरयामी
भगत तेरे की हीणी होज्या वा भी सै तेरी बदनामी

पंडित रामसरूप के जन्म के समय देश गुलामी से त्रस्त था। उस समय की परिस्थितियों का प्रभाव भी उनकी लेखनी पर पड़ा है। भगत सिंह की बहादुरी पर वे कहते हैं ...

भगत सिंह नै जब गोला मारया असेम्बली थर्राई
भाज कई कुर्सी नीचै बडगे कदे दे ज्या सकल दिखाई।

देश की आजादी पर उनकी खुशी उनकी रचना के माध्यम से देखिए...

शुभ घड़ी आज आग्यी म्हारी दया करी भगवान नै
गोरे डरते भाज गए छोड़ कै हिन्दुस्तान नै

एक रचना में सामाजिक एकता का सन्देश देते हुए उनकी पंक्तियाँ प्रभावित करती हैं ...

न्यारे-न्यारे पाटण मै ना होवै थारा गुजारा
घणी सींख मिलकै आपस मै सरकादें पत्थर भारा

भारतीय समाज की मान्यता लोकाचार देखें ....

गुरु लख्मीचंद धर्म क्षत्री का रामस्वरूप के याद करवा गऊ ब्राह्मण साधु की खातर जान चली जा तै के परवाशीश कटा कै, गऊ छुटा कै, हो ज्या बात वसूल ....

महाभारत में पांडवों के अज्ञातवास के प्रसंग का वर्णन करते हुए उनका एक दोहा प्रस्तुत है...

सुन सैरन्ध्री की बात को हो गया विश्वास
उत्तरा कुमारी पहुंच गई वृहन्नला के पास

रामायण में कैकेयी की वीरता और राम वनवास का वर्णन करते हुए कहते हैं ...

केकैयी दशरथ गैल्यां आप चढ्या करती रण मै
धुरी टुटी हाथ अडाया पीड घणी हुई तन मै
सही राजी होके बचन भरे थे जो धारण करी थी मन मै
वे बचन मांग फेर कढा दिये थे श्री रामचन्द्र जी वण मै

समाज को सन्देश देते हुए उन्होंने लिखा है .....

भुंडा भुंडी करया करै सदा भले पुरुष के संग
जैसे चन्दन कै लिपटया रहै ना तजता जहर भुजंग
कदे नीच नै छेडै ना चाहे कितना करले तंग
जैसे पत्थर पड़ै कीच मै वो उच्छल बिगाड़ै अंग

पंडित रामसरूप सिटावली के विस्तृत साहित्य संसार से रूबरू होकर निश्चित हो जाता है कि उन्होंने अपने साहित्य से हरियाणवी को समृद्ध बनाने का कार्य किया है। उनकी रचनाएँ समाज को प्रेरित करती हैं। निसंदेह ऐसे लोककवि हरियाणवी लोक साहित्य की धरोहर हैं जो किसी को भी हरियाणवी की ओर आकर्षित करते हैं तथा हरियाणा को गर्वित करते हैं।

कविता

सत्यवीर नाहड़िया

चोल्ला नै बदनाम करैं ये...

चोल्ला नै बदनाम करैं ये, पाप हुवै जो भारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

एक बखत था बाबा पग-पग, फरज निभाया करते।
धरम-करम का मरम खोल कै, वे समझाया करते।
कदे नहीं बहकाया करते, पुज्जैं थे नर-नारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

नये दौर के न्यारे बाबा, नित जो ढोंग फलावैं।
अपणे दुक्ख मिटैं कोन्या पर, जग के दुक्ख मिटावैं।
भगत बावळे बढ़ते जावैं, ढोंग-करम न्यूँ जारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

चेल्ले कम अर चेल्ली ज्यादा, नीयत घणी डिगावैं।
कुछ दिन पाच्छै पोल खुलै तै, बंद जेळ म्हं पावैं।
भोळी जंता नै भरमावैं, बणकै खुद अवतारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

किरपा अटकी कोय उतारै, चटणी हरी खुवाकै।
कोये कष्ट मिटावै सारे, धूळी चरण दिवाकै।
कोये दे ताबीज़ बणाकै, कुछ बण ग्ये ब्योपारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

बोट्टां खात्यर नेत्ता सारे, इन्नै सीस नवावैं।
अंधभगत सभ देक्खा-देक्खी, इन्नै पुज्जे जावैं।
कह 'नाहड़िया' ढोंग रचावैं, कला सीख ल्यी न्यारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

कविता

आशा खत्री 'लता'

पणिहारिण स्याणी

जिस कूए का मीठा पाणी,
उड़े तैं भरै पणिहारिण स्याणी।

जितणा हो उतने मैं सारै,
दुखी करया करै चीज बिराणी।

घर-घर हांडै होठ पीटती,
उसनै कह सब धक्के खाणी।

आपणे घर मैं सुथरी लागै,
आपणे राजा के संग राणी।

माँ बाप्पा की पैड़ पै चालै,
छोटा बालक बेटी याणी।

गैर टैम सज-धज कै लिकड़ै,
लोग कहवैं उसनै गिरकाणी।

भले घरां तैं कदै डिगै ना,
आ बैठ अर मीठी बाणी।

कहै 'लता' ढंग तैं चाल्लै तै,
घर मैं सुरग तार ले प्राणी।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

रोचक तथ्य

14वीं शताब्दी में यमन के शेखों ने नए किले का निर्माण किया था, जहां वर्तमान में किला मोहल्ला आबाद है

रोहतक नगर के भव्य ऐतिहासिक साक्ष्य आज भी मौजूद

इतिहास

यशपाल गुलिया

रोहतक एक प्राचीन नगर है जिसका साक्ष्य खोखरा कोट स्थल है। खोखरा कोट के उत्खनन से सदियों पुराने सिक्के आदि प्राप्त होते रहे हैं। यहां पर न केवल खोखरों द्वारा निर्मित दुर्ग था बल्कि प्राचीन रोहतक नगर की आबादी भी उसी स्थल के इर्द-गिर्द थी।

विभिन्न पुरातत्वविदों द्वारा समय-समय पर खोजबीन करने पर रोहतक के प्राचीन होने के बारे में साक्ष्य प्राप्त होते रहते हैं। वर्तमान नगर की आबादी सल्तनत काल में स्थानान्तरित हुई प्रतीत होती है। क्योंकि 14वीं शताब्दी में यमन के शेखों ने एक नए किले का निर्माण कर लिया था जहां आजकल किला मोहल्ला आबाद है। उसी किले पर कन्धार के पठानों व शेखों आदि का नियन्त्रण बना रहता था तथा इर्द-गिर्द नई आबादी बस गई। रोहतक के किले पर वर्ष 1412 में मलिक ईदरीश तथा उसके भाई मुबारिज खान का अधिकार था। उस वर्ष सैयद वंश के खिजर खान ने रोहतक के किले पर धावा बोला था जो कई मास के घेरा डालने के बाद सफल हुआ था। लेकिन मलिक ईदरीश ने खिजर खान को एक मुश्त राशि देकर किले पर अपना नियन्त्रण ही बनाए रखा, जो लगभग 20 वर्षों तक रहा। तारीख-ए-मुबारक शाही में उपरोक्त ऐतिहासिक घटनाओं का उल्लेख प्राप्त होता है। उसके बाद मुगल काल में रोहतक परगने का मुखिया शमशेर खां नामक अधिकारी रहा। यद्यपि रोहतक के उस ऐतिहासिक किले के अब कोई अवशेष बाकी नहीं हैं, उस स्थान पर केवल एक मोहल्ला आबाद है। लेकिन 1870 में डेविड बेगलर नामक अंग्रेज ने रोहतक के किले का बाह्य चित्र लिया था जो अभी भी उपलब्ध है। वर्ष 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में भी रोहतक के किले का उपयोग किया गया था, जो ऐतिहासिक पुस्तकों में दर्ज हो गया। किले के आस-पास के निवासी रांघड़ व पठान बबरखां के नेतृत्व में संगठित हो गए और किले मे आवश्यक युद्ध सामग्री इकट्ठी की गई थी। इसका

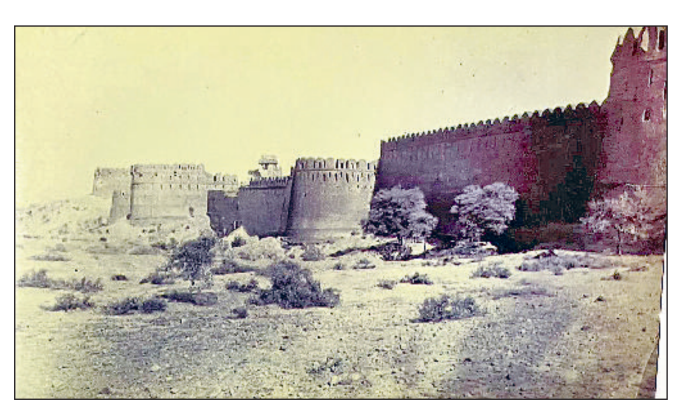

रोहतक के किले का वास्तिवक चित्र जो कि 1870 में एक अंग्रेज द्वारा लिया गया था।

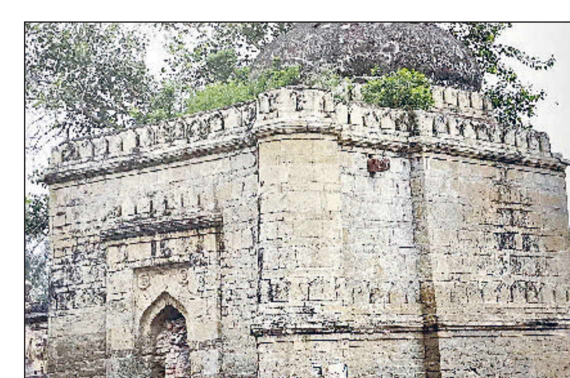

गौकर्ण तालाब के पास 500 वर्ष पुरानी इमारत, जोकि रोहतक के प्राचीन होने का साक्ष्य है। यहां अरबी भाषा में लिखा शिलालेख भी मौजूद है

1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में भी रोहतक के किले का उपयोग हुआ

दिल्ली की रिज पर स्थित अंग्रेजों को पता चला तो उन्होंने हड़सन के नेतृत्व में एक सेना रोहतक आक्रमण के लिए भेज दी। किले में ग्रामीण रांघड़ों के अतिरिक्त बगावत करके आई हुई फर्स्ट लाइट इन्फैंट्री यानि पहली हल्की पैदल सेना बटालियन भी थी। इस प्रकार 17 अगस्त 1857 से 2-3 दिनों तक रोहतक के किले के बाहर अंग्रेज सेना से युद्ध हुआ था। अन्ततः जीन्द राजा द्वारा भेजे गए सैनिकों आदि की सहायता से हड़सन का पक्ष विजयी रहा। उल्लेखनीय है कि फर्स्ट लाइट इन्फैंट्री बटालियन मुख्यतः रोहतक कलानौर क्षेत्रों के रांघडों व पठानों द्वारा गठित थी, जो अंग्रेज सेना का अंग होती थी। इसी प्रकार अंग्रेजों का शासन स्थापित होने पर उन्होंने रोहतक, महम, हांसी तक का क्षेत्र दुजाना के नवाब को प्रदान कर दिया था। लेकिन इस क्षेत्र की जनता से वह लगान वसूल नहीं कर पाया और भिवानी में दुजाना नवाब के लड़के का वध कर दिया। तब बोहर वासियों द्वारा दुजाना नवाब के दामाद का कत्ल कर देने पर नवाब ने इस क्षेत्र का स्वेच्छा से परित्याग कर दिया। 1810 में अंग्रेजों ने भिवानी में इकट्ठे हुए ग्रामीणों के साथ युद्ध किया तथा उपरोक्त समस्त क्षेत्र को 1810 से एक नया जिला बना दिया। इसको शिमाली जिले का नाम दिया गया तथा एडवर्ड गार्डिनर को जिलाधीश बनाकर हांसी मुख्यालय स्थापित किया गया जबकि 1818-1820 में गोहाना-खरखौदा परगनों के स्वत्रन्त्र होने पर अंग्रेजों ने 1824 से रोहतक को एक स्वतन्त्र जिला बना दिया। उल्लेखनीय है कि गोहाना-खरखौदा परगनों पर तब तक सिख शासकों का अधिकार था। इसी प्रकार वर्ष 1858 से झज्जर व बहादुरगढ़ रियासतों के जब्त होने पर रोहतक जिले में फिर से एक बार प्रशासनिक परिवर्तन किया गया था।

सांस्कृतिक विरासत को संजोने में फिल्में अहम : विजय तंवर

कलाकार

ओ.पी पाल

भारत एक संस्कृतिक देश है, जिसमें हरियाणा की समृद्ध संस्कृति का अपना अलग महत्व है, जिसकी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलख जगाने में कलाकार, गीतकार, साहित्यकार और लेखक अपनी अपनी विधाओं में साधना करते आ रहे हैं। ऐसे ही फिल्म जगत में अपनी कला के माध्यम से समाज को अपनी संस्कृति को सर्वोपरि रखने का संदेश देते आ रहे कलाकार विजय तंवर ने अभिनेता के साथ फिल्म निर्देशक की भूमिका में लोकप्रियता हासिल की है। फिल्मों के अलावा धारावाहिक व वेबसीरिज के निर्माण में जुटे फिल्म निर्देशक विजय तंवर ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कुछ ऐसे तथ्यों को भी उजागर किया, जिसमें फिल्मों के क्षेत्र में कला और संस्कृति के आधार पर निर्मित फिल्मों से सामाजिक विरासत को संजोना संभव है।

विजय तंवर का जन्म 15 दिसंबर 1965 को गुरुग्राम जिले के गांव करोला में जगदीश सिंह तंवर और भगवती देवी के घर में हुआ। इनके पिता भारतीय नौसेना में थे। पिता के साथ रहते हुए ही उन्होंने अपनी स्कूली और कालेज की शिक्षा मुंबई में ही ग्रहण की। उनके परिवार में उन्हें अभिनय या संगीत का माहौल तो नहीं मिला, लेकिन वह स्कूल में अपनी म्यूजिक क्लास के दौरान थोड़ा गाना बजाना कर लिया करते थे। इसी कारण स्कूल के वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी करने लगे। दसवी कक्षा के दौरान मुंबई में उन्होंने

तीन फिल्मों त्रिशूल, नास्तिक, रॉकी इत्यादि की शूटिंग को देखा तो उनके मन में काम करने का जज्बा पैदा हुआ। खासकर शूटिंग के दौरान सभी प्रमुख अभिनेता समेत सभी कलाकार निर्देशक से लेकर तकनीकी टीम को सम्मान देते हैं और निर्देशक के इशारे पर काम करते हैं। उन्होंने सम्मान की खातिर फिल्म जगत में किसी भी ऐसी भूमिका के लिए उत्सुकता महसूस की। इसलिए वह फिल्म निर्देशकों और प्रोडयूसरों के दफ्तरों के चक्कर काटकर उनसे मेलजोल बढ़ाने लगे। फिल्म क्षेत्र में काम करने के लिए ही विजय तंवर ने सामाजिक कार्य में प्रोफेशनल मास्टर डिग्री, फिल्मोग्राफी, फिल्म मेकिंग में कोर्स भी किये। फिल्म निर्देशक विजय तंवर ने बताया कि ग्रेज्युएशन के दौरान कुछ प्रोड्यूसर, डायरेक्टरों से संबंध मजबूत हुए तो सहायक निर्देशक के रूप में काम मिल गया। हालांकि उन्होंने ऐसा कोई कोर्स तो नहीं किया था, इसलिए भरोसा जमाने के लिए चार पांच साल लग गये। उन्हें पहली फिल्म मिली तो उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उसके बाद पांच फिल्मों में काम किया, जिनमें दो रिलीज हो पाई। उनके सहायक निर्देशन में पहली रिलीज होने वाली फिल्म 'अधूरी सुहागरात' थी। दूसरी फिल्म मोहब्बत मेरा नसीब थी, जिसमें अनुपम खेर, सुरेश ओबरॉय, मोहनीश बहल, पुनीत इस्सर आदि रहे। इसके बाद बागी औरत फिल्म में उन्होंने काम किया। उन्होंने दूरदर्शन पर 52 एपिसोड का सीरियल 'दास्ताने हातिम ताई' किया। इसके बाद एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में तीन और सीरियल किये, जिनमें द ग्रेट मुगल, इन्तेहा और स्पेशल टास्क फोर्स के नाम शामिल हैं। उन्हें एक हरियाणवी फिल्म 'छोरी नट की' में भी काम करने का मौका मिला। तंवर को हिंदी फिल्म 'गुड्डू' में भी सहायक निर्देशक के रूप में काम करने का मौका मिला।

फिल्म कलाकार विजय तंवर का कहना है कि युवाओं को लोक कला संगीत, अभिनय संस्कृति के प्रेरित करना चाहिए, जिसके लिए वह भी करते आ रहे हैं। कला के माध्यम से ही संस्कृति हमारे जीवन में संगीत, नृत्य, नाटक, चित्रकला, सिनेमा, फोटोग्राफी रूप में अभिव्यक्ति पाती है। इस युग में युवाओ को लोक कला, संगीत, अभिनय, रंगमंच जैसी संस्कृति के लिए प्रेरित करना आवश्यक है, जो सामाजिक परिदृश्य को संरक्षित या मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है। भले ही नए तकनीक संचार के उपयोग के कारण युवा अधिक ध्यान दे रहे हों, लेकिन अपनी संस्कृति के मान सम्मान से ही वे अपनी सामाजिक विरासत को संजोए रख सकते हैं।

पुरस्कार और सम्मान

विजय तंवर के निर्देशन में समाज में बालिकाओं की स्वीकार्यता पर आधारित निर्मित लघु फिल्म 'दिशा' को 25 से भी ज्यादा फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कार मिल चुके हैं। तंवर को मिले प्रमुख पुरस्कारों में दादा साहब फाल्के अवार्ड के अलावा मराठवाडा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल मुंबई, काशी इंडियन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, गंगटोक इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, एशियन टेलेंट इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, रील्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, सेवन सिस्टर नॉर्थ ईस्ट इंटर नेशनल फिल्म फेस्टिवल, उमरेड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, जलगांव इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल तथा रोशनी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल आदि में पुरस्कार मिले हैं।

खबर संक्षेप

फतेहाबाद में तीन बाइक चोरी, केस दर्ज

फतेहाबाद। फतेहाबाद शहर में वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं से लोगों में रोष है। गत दिवस भी चोरों ने शहर से तीन मोटरसाइकिल चोरी कर लिए। तीनों मामलों में पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव भिरड़ाना निवासी सुरेन्द्र सिंह ने कहा है कि गत दिवस वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी काम से फतेहाबाद आया था। उसने अपने मोटरसाइकिल को कोर्ट काम्पलैक्स में वकीलों के निर्माणाधीन चैम्बरों के पास खड़ा किया और अंदर चला गया। जब वह वापस बाहर आया तो उसने देखा कि वहां से उसका मोटरसाइकिल गायब था। दूसरे मामले में शहर फतेहाबाद पुलिस ने गांव भूथन कलां निवासी साहिल कुमार की शिकायत पर फतेहाबाद के मॉडल टाऊन स्थित पपीहा पार्क के बाहर से उसका मोटरसाइकिल चोरी होने बारे केस दर्ज किया है। एक अन्य मामले में फतेहाबाद पुलिस ने पंजाब के मानसा जिले के गांव बोहा निवासी सरवन की शिकायत पर फतेहाबाद के मॉडल टाऊन स्थित पूनम आंखों के अस्पताल के बाहर से उसका मोटरसाइकिल चोरी होने बारे केस दर्ज किया है।

शराब सहित नागपुर से युवक को किया काबू

फतेहाबाद। शराब तस्करों की धरपकड़ करते हुए रतिया पुलिस ने नागपुर से एक युवक को गिरफ्तार किया है। थाना सदर रतिया प्रभारी एसआई राजबीर सिंह ने बताया कि नागपुर पुलिस चौकी की टीम एसआई राधाकृष्ण के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि भोला सिंह पुत्र भूरा सिंह निवासी नागपुर अपने घर में ठेका शराब देशी बेचने का काम करता है। इस सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो वहां एक युवक प्लास्टिक कट्टा लिए बैठा मिला। पुलिस ने युवक को काबू कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम भोला सिंह बताया। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 14 बोतल ठेका शराब देसी बरामद कर उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

ट्रक ने पैदल जा रही महिला को मारी टक्कर

फतेहाबाद। फतेहाबाद के हिसार-सिरसा बाईपास पर एक तेजगति ट्रक ने पैदल जा रही महिला में टक्कर दे मारी। हादसे में ट्रक का टायर महिला के दोनों पैरों से ऊपर से गुजर गया। महिला को गंभीर हालत में हिसार के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में आजाद नगर फतेहाबाद निवासी महिला उषा देवी ने कहा है कि गत दिवस सुबह वह अपने भांजे रवि के साथ अपने घर से अपने रिश्तेदार प्रकाश की ढाणी, बैनीवाल कालोनी में जा रही थी। वह दोनों हिसार-सिरसा बाईपास पर बने सर्विस रोड पर पैदल जा रहे थे कि इसी दौरान हिसार की तरफ से एक ट्रक का चालक ट्रक को लापरवाही व तेजगति से चलाते हुए आया और उसमें टक्कर दे मारी।

शहीदे आजम को दी गई श्रद्धांजली, दो मिनट का रखा मौन

शहीदों की जयंती और पुण्यतिथियों को त्योहारों के रूप में मनाना चाहिए : दहिया

- कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच मुख्तयार सिंह ने शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

फतेहाबाद। गांव अहरवां में शहीद भगत को श्रद्धांजली देते अतिथिगण व विद्यार्थी।

फतेहाबाद। रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते अतिथिगण।

गांव अहरवां के शहीदे आजम भगत सिंह पार्क में रविवार को अखिल भारतीय शहीद सम्मान संघर्ष समिति द्वारा बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच मुख्तयार सिंह ने भाग लिया। वहीं जसकरण सिंह एवं मास्टर मिथलेश रोहिल्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। अध्यक्षता अखिल भारतीय शहीद सम्मान संघर्ष समिति के जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह दहिया द्वारा की गई।

सर्वप्रथम राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। इसके बाद अतिथियों ने शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और छात्र छात्राओं ने शहीद के चरणों में पुष्पांजली अर्पित कर नमन किया।

समिति के जिलाध्यक्ष देवेंद्र दहिया ने भगत सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 को बंगा, जिला लायलपुर में एक क्रांतिकारी किसान परिवार में हुआ था। बचपन से देश की आजादी का जुनून उनके दिलोदिमाग में चढ़ा हुआ था। युवा अवस्था आते-आते उनके सम्पर्क आजादी के मतवालों से हो गये। उन्होंने अपने साथी बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर सेंट्रल असेंबली में बम फेंक कर ब्रिटिश हुकूमत की नींव को हिला दिया, वहीं अपनी गिरफ्तारी भी दी। 23मार्च 1931 को 24 वर्ष की छोटी सी आयु में हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमकर अपना सर्वोच्च बलिदान दे कर अमर हो गये। मुख्य अतिथि सरपंच मुख्तयार सिंह ने कहा कि आजादी की लड़ाई में अपने प्राणों का बलिदान देने वालों की संख्या लाखों में है लेकिन इतिहास में बलिदानी भगत सिंह का नाम अग्रणी है। उन्होंने कहा कि हमें शहीदों की जयंती और पुण्यतिथियों को त्योहारों के रूप में मनाकर आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देनी चाहिए। जसकरण सिंह ने कहा कि भगत सिंह के साथ आज के दिन उनके क्रांतिकारी साथी राजगुरु एवं सुखदेव ने भी फांसी के फंदे चूमा था। नौजवानों को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए कि हमारे लिए देश सर्वोपरि हो। मास्टर मिथलेश रोहिल्ला ने कहा कि जो कौमें अपने शहीदों के बलिदान को भूला देती है उनका पतन निश्चित हैं। कार्यक्रम के अंत में दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को नमन किया इस अवसर पंच ताराराम, विद्यालय प्रबंधन समिति के प्रधान जुबेर खान, रघुवीर सिंह, अमरीक सिंह ढिल्लो, जोगेन्द्र जाखड़, नवदीप, करमजीत, पारस, रितिका, जॉर्डन, अंश, माइकल, सहजदीप, जैद खान उपस्थित रहे।

समाज को नशामुक्त करने को लेकर भवानी सिंह के प्रयास सराहनीय, सरकार करेगी पूर्ण सहयोग : भंडारी

फतेहाबाद। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी ने कहा कि जो कौमें अपने शहीदों का मान सम्मान नहीं करती, वह समाज में खत्म हो जाती है और लक्ष्य से भटक जाती है। वह रविवार को एमएम कॉलेज में महाशक्ति चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शहीदी दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ करने उपरांत बतौर मुख्यातिथि समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विशेष तौर पर पूर्व विधायक दुड़ाराम और भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने भाग लिया। कार्यक्रम के आयोजक भवानी सिंह ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। शिविर को लेकर युवाओं में काफी उत्साह नजर आया और युवाओं ने 100 यूनिट रक्तदान कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा नेता तरूण भंडारी ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए विशेष महत्व रखता है। शहीद भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु ने जिस बहादुरी से अंग्रेजो से लड़ाई करते अपने प्राणों का त्याग दिया, वह हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मिसाल है। रक्तदान कर रहे युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से बचाने के लिए आज हमें संकल्प लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नशे ने समाज की जड़ों को खोखला कर दिया है। यदि अब युवा पीढ़ी को नशे से नहीं बचाया गया तो आने वाले समय में इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि समाज को नशामुक्त करने को लेकर ठाकुर भवानी सिंह द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय है और हरियाणा सरकार उनका हरसंभव सहयोग करेगी। भवानी सिंह ने अतिथियों का आभार जताते हुए युवाओं से अपील की कि भावी पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए उनका साथ दे। उन्होने कहा कि यदि युवा सद्मार्ग पर चलेगा तो देश व प्रदेश को तरक्की करने से कोई नहीं रोक सकता।

शहीद यादगार समिति ने मनाया शहीदी दिवस

सिरसा। शहीद यादगार समिति द्वारा शहीदी दिवस पर रविवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें शहीद ए आजम भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। श्रद्धांजलि समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यवान ने शहीद भगत सिंह के विचारों व महान जीवन संघर्षों को याद किया और उनसे प्रेरणा लेने की अपील की। सत्यवान ने बताया कि भगत सिंह ने 14 साल की छोटी सी जिंदगी में ही आजादी के प्रति फर्ज को तमाम फर्ज से बड़ा समझ कर देश को आजाद करने का बीड़ा उठाया था। उनके मन में देश प्रेम की अथाह भावना, सत्यान्वेषी मानसिकता, अद्भुत सांगठनिक क्षमता, दृढ़ संकल्प शक्ति, आदर्श के प्रति अटल निष्ठा ने उन्हें शहीद ए आज़म के दर्जे पर पहुंचाया। देशभक्त करतार सिंह सराभा को भगत सिंह हमेशा याद रखते थे। 11 वर्ष की उम्र में जलियांवाला बाग मे खून से सनी मिट्टी से उन्होंने देश को आजाद करने का संकल्प लिया था। शिक्षा इंतजार कर सकती है, आजादी नहीं। इसी समझ व भावना से 1924 में उन्होंने घर छोड़ दिया था। 1926 में नौजवान भारत सभा बनाई और 1928 में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के नाम से क्रांतिकारी पार्टी बनाई। उन्होंने क्रान्तिकारियों को अलग-थलग छिटपुट एक्शन त्यागने, क्रांतिकारी आंदोलन को जनमुखी बनाने और इस राह पर जनता को जागरूक करने का रास्ता बताया। उन्होंने आजादी के साथ शोषण का खात्मा करने के लिए वैज्ञानिक समाजवाद को अपना लक्ष्य बनाया। साइमन कमीशन का डटकर विरोध किया।

बाबा सरसाईनाथ सेवा ट्रस्ट ने पौधे रोपित कर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

सिरसा। शहीदी दिवस के अवसर पर बाबा सरसाईनाथ सेवा ट्रस्ट की ओर से भाई कन्हैया पार्क में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि सुरेंद्र आर्य हरियाणा प्रदेश मंत्री भाजपा ने शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि सब इंस्पेक्टर प्रदीप श्योराण थे। मुख्यातिथि सुरेंद्र आर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान शुरू किया था, जिसके सकारात्मक परिणाम आए हैं और लोगों में भी पर्यावरण के प्रति काफी जागरूकता आई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अभियान का प्रदेश में जोर शोर से प्रचार किया, जिसके कारण लोगों ने भी उनके नक्शे कदम पर चलते हुए अधिक से अधिक पौधारोपण को बढ़ावा दिया। उन्होंनेकहा कि जिन शहीदों ने अपने देश के लिए छोटी सी उम्र में अपने आप को न्यौछावर कर दिया, उन बलिदानियों के लिए हम कुछ ऐसा करें, ताकि आने वाली पीढ़ियां प्रेरणा ले सकें। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि प्रदीप श्योराण ने बाबा सरसाईनाथ सेवा ट्रस्ट के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्था समाजसेवा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रही है। संस्था के प्रधान रविंद्र सैनी, रणजीत टक्कर, दीप्ति गुप्ता, बेटा बचाओ अभियान से तरूण भाटी, संस्था के उपप्रधान डॉ. सुमित सैनी, डॉ. सतबीर कंबोज, नरेंद्र रावत, राघव, प्रवीन, पिंटू, टैक्सी स्टेंड के प्रधान पिंटा आदि मौजूद रहे।

गांव चोरमार व जलालआना में शहीदी दिवस पर अमर शहीदों को नमन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ओढां

सिरसा। गांव चोरमार में चंडीगढ़ स्कूल ऑफ ड्रामा के सदस्य नाटक पेश करते हुए।

शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की शहादत को समर्पित तर्कशील नाटक मेला दो गांवों जलालआना व चोरमार में शहीदों के बलिदान को याद करते हुए आयोजित किया गया। जिसमें चंडीगढ़ स्कूल ऑफ ड्रामा की टीम निर्देशक इक्कतर सिंह व सह कलाकारों द्वारा नाटक यह लहू किसका है, ठगी तथा देश नु चलो कोरियोग्राफी के माध्यम से शहीदों के विचारों और उनके संघर्ष को जीवंत किया गया। यह आयोजन न केवल उनकी शहादत की याद को ताज़ा करने बल्कि समाज में तर्कशीलता, वैज्ञानिक सोच और जागरूकता को बढ़ावा देने का भी एक प्रयास रहा। इस मेले में प्रगतिशील पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें शहीदों के जीवन, उनके क्रांतिकारी विचारों और समाज सुधार से जुड़ी पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया। मंच संचालन शमशेर सिंह चोरमार व जगदीश सिंहपुरा ने संयुक्त रूप से बखूबी निभाई। इस दौरान तर्कशील वक्ता तर्कशील सोसाइटी पंजाब के संगठन मुखी राजिंदर भदौड़ ने अपने प्रभावशाली विचार रखे। उन्होंने अंधविश्वासों के खिलाफ वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया और समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए तर्कशील सोच को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि अंधविश्वासों गैर वैज्ञानिक घटनाओं के खिलाफ और वैज्ञानिक चेतना के प्रचार प्रसार के लिए तर्कशील सोसाइटी पिछले चालीस वर्षों से संघर्षशील है। राजपाल सिंह ने शहीद भगत सिंह के विचारों का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे वे अंधविश्वास और रूढ़िवादिता के खिलाफ थे और एक समतामूलक समाज की स्थापना के लिए लड़े। यह आयोजन स्थानीय लोगों के लिए प्रेरणादायक रहा और शहीदों के बलिदान को आधुनिक संदर्भ में जीवंत करने का एक सशक्त माध्यम बना। दोनों गांवों में उपस्थित दर्शकों ने नाटकों, पुस्तक प्रदर्शनी और वक्तव्यों के माध्यम से शहीदों के विचारों को आत्मसात किया। चमत्कारों का पर्दाफाश करते हुए सुखदेव मलूकपुरी तर्कशील जादूगर ने अपनी आइटमों को पेश करके सिद्ध किया कि दुनियां में किसी के पास भी दैवीय जादू शक्तियां नहीं होती।

ये रहे मौजूद

गांव जलालआना में सरपंच अंग्रेज सिंह, स्कूल प्रिंसिपल सुभाष चंद्र की अध्यक्षता में मुख्यातिथि समाजसेवी विनोद मित्तल व खंड शिक्षा अधिकारी ओढ़ा विनोद श्योराण, पूर्व एमएलए बलकौर सिंह, करनैल सिंह ओढ़ा, गुरतेज सिंह सुखचैन, अध्यापक संघ जिला प्रधान वीर सिंह, बूटा सिंह, सर्वकर्मचारी संघ से सोहन सिंह रंधावा, कुलदीप जलालाना, जसवंत सिंह, हरदेव अग्रोइया, बलजीत सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। गांव चोरमार के सरपंच जितेन्द्र सिंह बीरी की अध्यक्षता में चोरमार गुरुद्वारा साहिब के मुख्य सेवादार बाबा गुरपाल सिंह मुख्यातिथि के अलावा डॉक्टर केवी सिंह, कुलदीप गुदराना, दशमेश युवा क्लब चोरमार, तर्कशील सोसाइटी कालांवाली व दोनों गांवों की महिलाओं ने भारी संख्या में भाग लिया।

शहीदों के जीवन से युवा लें प्रेरणा: लखविंद्र

सिरसा। जिला के गांव भंगू में शहीद भगत सिंह, सुखदेव सिंह और राजगुरू के शहीदी दिवस के मौके पर युवाओं व ग्रामीणों द्वारा देश की आजादी में अपनी जान की आहुति देने वाले शहीदों के नाम के देशभक्ति नारों के साथ फूल अर्पित करते हुए महान शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि समारोह में भारतीय किसान एकता बीकेई प्रदेशाध्यक्ष लखविंद्र सिंह ने अपनी टीम के साथ विशेष रूप से शिरकत करते हुए नौजवानों को भगत सिंह के हक सच के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भगत सिंह के नाम से आज हर सियासी पार्टी अपने वोट बैंक बटोरने का काम करती है और जब वे लोग सता में आ जाते हैं तो वे शहीदों के उसूलों के खिलाफ लाठी गोली से लोकतंत्र की आवाज को दबाने का काम करते हैं। इस मौके पर युवा क्लब के प्रधान नवदीप सिंह भंगू, प्रकाश सिंह, गमदूर सिंह आदि मौजूद रहे।

- नौजवानों को भगत सिंह के हक सच के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया

भूना। ब्लॉक स्तरीय कन्वेंशन में को संबोधित करते मनदीप नथवान। फोटो : हरिभूमि

भगत सिंह के विचारों को पढने और अपनाने की जरूरत है : मनदीप

- हमें मजबूत संगठन बनाकर बड़े आंदोलन की ओर बढना होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहादत दिवस पर पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष सीमित हरियाणा द्वारा ब्लॉक स्तरीय कन्वेंशन आयोजित किया। यह कार्यक्रम शहीद भगत सिंह स्टेडियम, गोरखपुर में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कमल बराड़, प्रोफेसर ओम प्रकाश और मांगेराम ने संयुक्त रूप से की तथा संचालन राममेहर सिवाच ने किया।

किसान संघर्ष समिति के राज्य प्रधान मनदीप नथवान और जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश हसंगा ने कन्वेंशन को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन पिछले 18 सालों से शहीद भगत सिंह की विचारधारा पर काम कर रहा है। देश की आम जनता मूलभूत सेवाओं से वंचित है। सरकार कॉरपोरेट के पक्ष में नीतियां बनाकर देश के संसाधनों को निजी हाथों में सौंप रही है। खेती सेक्टर को भी कंपनियों को देने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि हमें मजबूत संगठन बनाकर बड़े आंदोलन की ओर बढना होगा। भाजपा देश को धर्म के आधार पर बांटना चाहती है। भगत सिंह के विचारों को पढने और अपनाने की जरूरत है।

दो दिवसीय व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन

सिरसा। हरियाणा के पूर्व सीएम स्व. ओमप्रकाश चौटाला की स्मृति में जेसीडी विद्यापीठ में आयोजित दो दिवसीय व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट संपन्न हुआ। इस टूर्नामेंट में टीम ए और टीम बी के बीच जोरदार मुकाबला हुआ। प्रतियोगिता में भारतीय बी टीम ने कुल मिलाकर 2-1 के स्कोर से जीत दर्ज की। यह टूर्नामेंट खेल के प्रति समर्पण, हिम्मत और स्पर्धात्मक भावना को उजागर करता नजर आया। विशेष रूप से उन खिलाड़ियों के लिए जिन्होंने शारीरिक चुनौतियों का सामना करते हुए भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समापन समारोह की अध्यक्षता जेसीडी के महानिदेशक डॉ. जयप्रकाश ने की। उन्होंने बताया कि सिरसा जिला में पहली बार इंडिया व्हीलचेयर टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन हुआ है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक खेल आयोजन नहीं है, बल्कि साहस, आत्मनिर्भरता और अदम्य इच्छाशक्ति का प्रतीक भी है। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि समाज को यह संदेश देना है कि दिव्यांगजन किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण हमें प्रेरणा देते हैं।

देशभक्ति व संदेशात्मक नाटकों का होना जरूरी : सिंह

सिरसा। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत उत्तर क्षेत्र संस्कृति केंद्र पटियाला के तत्वावधान में केएल थिएटर प्रोडक्शंस द्वारा शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में नाटक इंकलाब जिंदाबाद का मंचन नाटक निर्देशक कर्ण लढा के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाई कन्हैया मानव सेवा ट्रस्ट के मुख्य सेवादार पद्मश्री भाई गुरविंद्र सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में भाई कन्हैया शिक्षा संस्थान की प्राचार्य बलजीत कौर एवं संस्थान के एग्जिक्यूटिव सदस्य सुरेंद्र गोयल मौजूद रहे। केएल थिएटर प्रोडक्शंस के कलाकारों ने नाटक के माध्यम से देश को आजाद करवाने में शहीद हुए भगत सिंह और उनके साथी राजगुरु, सुखदेव, पंडित चंद्रशेखर आजाद और अन्य क्रांतिकारियों के संघर्ष और बलिदानों को बड़ा ही संजीदा तरीके से दर्शाया गया।

रतिया। खालसा कॉलेज में एनएसएस कैंप के दौरान श्रमदान करते स्वयंसेवक।

खालसा कॉलेज में एनएसएस कैम्प पर्यावरण संरक्षण की ली शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

खालसा त्रिशताब्दी राजकीय महाविद्यालय रतिया में एक दिवसीय एनएसएस कैंप का आयोजन किया गया। एनएसएस कैंप में प्रो. कृष्ण लाल ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना को महाविद्यालय में लागू करने का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्र सेवा की भावना को जागृत करना है। ऐसी गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी, समाज के लोगों के साथ मिलकर समाज के हित में कार्य करते हैं। एनएसएस यूनिट-1 के प्रभारी प्रो. कृष्ण लाल ने कहा कि एनएसएस स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से छात्र छात्राओं के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना, इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य है। 'सेवा के माध्यम से शिक्षा' यह एनएसएस का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि ऐसी सह शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में अनेक कला व कौशलों का विकास होता है। इससे मिलजुल कर काम करने की भावना का विकास होता है, विचारों का आदान-प्रदान होता है।

प्रतियोगिता 2023 में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीता था रजत पदक

राष्ट्रीय स्तर पर दमखम दिखाएगा खिलाड़ी पवन, मिली शुभकामनाएं

- निरीक्षक सहकारी समितियां प्रथम के कार्यालय में कार्यरत है पवन
- विभाग ने खिलाड़ी को अतिरिक्त वित्तीय लाभ प्रदान कर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

पवन कुमार।

निरीक्षक सहकारी समितियां प्रथम के कार्यालय में कार्यरत कर्मचारी पवन कुमार द्वारा खेलों में शानदार प्रदर्शन करने पर विभाग द्वारा अतिरिक्त वित्तीय लाभ देकर सम्मानित किया गया है। पवन कुमार द्वारा कुराश, जूड़ो में शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उसका राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के लिए चयन किया गया है। विभाग के सहायक रजिस्ट्रार जितेन्द्र कौशिक व अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने पवन कुमार को बधाई देते हुए राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी है। बता दें कि पवन कुमार ने राष्ट्रीय स्तर पर कुराश, जूडो प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया था। यह प्रतियोगिता 14 से 16 जनवरी 2023 को उत्तरप्रदेश के सहारनपुर में आयोजित की गई थी। सरकारी नियमों के अनुसार कोई भी कर्मचारी अबर राष्ट्रीय पदक जीतता है तो उसे अतिरिक्त वित्तीय लाभ प्रदान किए जाते हैं। पवन कुमार ने बताया कि निरीक्षक सहकारी समितियां फतेहाबाद प्रथम के कार्यालय में ड्यूटी के दौरान उन्हें निरीक्षक मोहन लाल द्वारा उन्हें शुरू से ही खेलने के लिए प्रेरित किया गया। इसके बाद निरीक्षक राजेश गुप्ता ने भी उन्हें पूर्ण सहयोग देते हुए हमेशा खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। अधिकारियों द्वारा दिए गए प्रोत्साहन की बदौलत उसने यूपी में हुई राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भाग लिया और रजत पदक हासिल किया। इस प्रदर्शन की बदौलत पवन कमुार का राष्ट्रीय चैम्पियपशिप के लिए चयन हो चुका है। यह चैम्पियनशिप उत्तराखंड में आयोजित होगी। पवन कुमार ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय कार्यालय के हर कर्मचारी को देते हुए कहा कि ड्यूटी के साथ खेलने के लिए कार्यालय के हर कर्मचारी ने उसे पूरा सहयोग दिया और हमेशा खेलने के लिए प्रेरित किया। अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा दिए गए प्रोत्साहन की बदौलत वह यह उपलब्धि हासिल कर पाया है। बता दें कि पवन कुमार ने शिक्षा में मनोविज्ञान में मास्टर ऑफ साइंस कर रखी है वहीं नेताजी सुभाष चन्द्र राष्ट्रीय क्रीडा खेल संस्थान पटियाला से भी जूडो प्रशिक्षक का डिप्लोमा किया हुआ है।

फतेहाबाद। श्री राधा नाम हनुमान मंदिर में 73वें वार्षिक महोत्सव के दौरान भजन गायन करते भारत टुटेजा।

रतिया। खालसा कॉलेज में एनएसएस कैम्प के दौरान श्रमदान करते स्वयंसेवक।

लहर लहर लहराए रे झंडा बजरंगबली का, भजन पर नाचे भक्तजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

काठमण्डी रोड स्थित श्री राधा नाम हनुमान मंदिर में 73वां वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष्य में चल रहे श्री रामायण जी का पाठ का आज समापन हुआ। विश्राम दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में अपनी हाजिरी लगाते हुए टी-सीरीज कलाकार भारत टुटेजा ने 'गुरुदेव सहारा तेरा है, बिन पिए नशा हो जाता है, राधे-राधे बोल श्याम आएंगे, लहर लहर लहराए रे झंडा बजरंगबली' का आदि सुंदर-सुंदर भजनों से सभी को नाचने पर मजबूर कर दिया। इस कार्यक्रम में मंदिर के पंडित जी ने भारत टुटेजा का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर वीणा गोस्वामी, दास करण रसिया, कुलदीप आर्य व हिमांशु ग्रुप, रजत मेहता, भारत मेहता, चंद्रकला ने भी अपनी हाजिरी लगाई। सत्संग के पश्चात लंगर प्रसाद वितरित किया गया और सभी ने खूब आनंद लिया। वार्षिक उत्सव के सभी को बधाई देते हुए भारत टुटेजा ने कार्यक्रम का विराम किया।

खबर संक्षेप

जल जीवन की मूलभूत जरूरत : ग्रोवर

सिरसा। शिक्षक नरेश कुमार ग्रोवर ने कहा कि जल केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन की मूलभूत आवश्यकता है। जल के बिना जीवन की कल्पना भी असंभव है, परंतु विडंबना यह है कि आज विश्व के अनेक हिस्सों में जल संकट गहराता जा रहा है। नरेश कुमार ग्रोवर ने कहा कि समाज के सभी वर्गों को जागना होगा। उन्होंने कहा कि जल की एक-एक बूंद कीमती है। जल संरक्षण अब विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता है।

ई-रिक्शा चालक से छीने 3700 रुपये, केस दर्ज

सिरसा। नागरिक अस्पताल रोड पर तीन युवकों ने एक ई-रिक्शा चालक से 3700 रुपए छीन लिए। पुलिस को दी शिकायत में आशीष निवासी प्रेम गली कीर्तिनगर ने बताया कि वह ई-रिक्शा चलाता है। उसने बताया कि बीती 21 मार्च की रात्रि को वह जिला नागरिक अस्पताल से काली माता मंदिर की ओर जा रहा था। तभी तीन युवकों ने हाथ देकर उसे रूकवा लिया और बस स्टेंड जाने की बात कही। कुछ दूरी पर जाने के बाद युवकों ने उसे रूकवा लिया और जबरदस्ती करते हुए उसकी जेब से 3700 रुपए की नकदी छीनकर ले गए।

मकान में सेंध लगाकर नकदी व आभूषण चोरी

सिरसा। शहर के फ्रैंड्स कॉलोनी क्षेत्र में चोर एक बंद पड़े मकान में घुसकर 50 हजार रुपए की नकदी सहित आभूषण चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में मकान मालिक बख्शीश कुमार ने बताया कि बीती 21 मार्च की रात्रि को वह परिवार सहित जागरण में गया हुआ था। इसी का फायदा उठाकर चोर घर में घुसे और अलमारी के ताले तोडक़र उसमें रखी 50 हजार रुपए की नकदी सहित एक सोने की अंगूठी चोरी कर ले गए।

ढाणी से नकदी और आभूषण चोरी, केस

सिरसा। जिला के गांव मोहम्मदपुरिया निवासी एक किसान की गांव दलीप नगर के खेतों में बनी ढाणी से चोर 5 हजार रुपए की नकदी व सोने की तबीजी चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में पवन कुमार ने बताया कि उसकी गांव दलीप नगर के खेतों में ढाणी है। उसने बताया कि बीती 21 मार्च की सुबह उसकी पत्नी खेतों में चारा काट रही थी। तभी बाइक सवार एक युवक ढाणी में घुसा और अलमारी से 5 हजार रुपए की नगदी व एक सोने की तबीजी चोरी कर ले गया।

सीडीएलयू में संस्कृत पर कार्यशाला का आयोजन

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित सप्तदिवसीय भाषा कार्यशाला के दूसरे दिन विभाग के प्रध्यापक एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश के मार्गदर्शन में कार्यशाला में मुख्य शिक्षक के रूप में नवीन कौशल ने प्रतिभगियों को ट्रेनिंग दी। उन्होंने अभिनव शिक्षण विधियों का उपयोग करते हुए खेल-खेल में संस्कृत सिखाने की तकनीक अपनाई, जिससे प्रतिभागियों का उत्साह और रुचि बढ़ी। उनकी अनूठी शिक्षण शैली ने छात्रों को प्रेरित किया और संस्कृत को सीखने का आह्वान किया।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को राज्यसभा सांसद ने दी शुभकामनाएं

सांसद ने जाखल के पार्षदों के साथ किया विकास पर मंथन

सांसद सुभाष बराला ने सड़क संपर्क, रेलवे विस्तार व अन्य मुद्दों पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को जाखल से नवनिर्वाचित पार्षदों व कई गांवों की पंचायतों के प्रतिनिधि से मुलाकात कर क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने जाखल नगरपालिका के नवनिर्वाचित पार्षदों को जीत की बधाई व शुभकामनाएं देते हुए विकास कार्यों में सहयोग करने का आश्वासन दिया। इसके अलावा राज्यसभा सांसद सुभाष बराला से भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने उनके निवास स्थान पर मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

राज्यसभा सांसद ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को बधाई एंव शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो दायित्व सौंपा है, उसे पूरी ईमानदारी से निभाते हुए संगठन को मजबूत करेंगे। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुलाकात के दौरान क्षेत्र में जारी विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। उन्होंने ने सडक़ संपर्क, रेलवे विस्तार और जल आपूर्ति योजनाओं से संबंधित परियोजनाओं की समीक्षा की। साथ ही, जनता की प्रमुख समस्याओं पर विचार-विमर्श किया और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी विलंब के नागरिकों को मिले। राज्यसभा सांसद ने कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और राज्य सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में जनता को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार सडक़, रेलवे और जल आपूर्ति सहित बुनियादी ढांचे के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। बराला ने पार्षदों व पंचायत प्रतिनिधियों से कहा कि केंद्र और राज्य सरकार जनकल्याण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है।

फतेहाबाद। जनप्रतिनिधियों से मिलते सांसद सुभाष बराला। फोटो : हरिभूमि

समस्याओं का समाधान किया जाएगा

उन्होंने उपस्थित नागरिकों को आश्वस्त किया कि उनकी सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना, युवाओं को रोजगार के अवसर देना, किसानों की समस्याओं का समाधान करना और प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। इस अवसर पर कृष्ण नैन, सिमरण सरपंच, जगमेल कटारिया, राकेश मस्तु, जाखल से पार्षदगण, गाँव की पंचायतों के प्रतिनिधि, पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षा से बढ़कर कोई दान नहीं

- भिरडाना गौशाला में चल रही संगीतमय रामकथा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

गांव भिरडाना की राधा कृष्ण गौशाला में रामस्नेही आश्रम पुष्कर धाम से आए कथावाचक शीतल संत राजाराम ने प्रवचन देते हुए शिक्षा दान का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि हम भूखे को भोजन खिलाकर सिर्फ एक समय ही उसे रोटी दे सकते है, लेकिन हमने उन्हें शिक्षा का दान दिया तो हमारी मदद से उसे उम्रभर की रोजी-रोटी मिल सकती हैं। इसलिए हमें जरूरतमंद परिवार के बच्चों की शिक्षा प्राप्त करने मे मदद करनी चाहिए। कथा की शुरूआत में शहीदी दिवस के अवसर पर अमर शहीदों को याद करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि आज हम इस खुली हवा में सांस ले रहे है तो इन अमर शहीदों की बदौलत ही है। सेना में भर्ती होकर देशसेवा कर रहे जांबाज सैनिक परिवारों का हमें सम्मान करना चाहिए।

फतेहाबाद। नि :शुल्क शिक्षा के क्षेत्र मे योगदान देने पर सुनील राईका को सम्मानित करते संत राजाराम। फोटो : हरिभूमि

छात्राओं ने ड्रग फ्री का दिया संदेश

- शिक्षित होना नारी सशक्तिकरण का पहला कदम : डॉ .जोगिंद्र सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

राजकीय महिला महाविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन छात्राओं द्वारा चतरगढ़ पट्टी में एंटी ड्रग रैली का आयोजन किया गया जिसे महाविद्यालय के डॉ. विक्रमजीत सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से समाज की सेवा करने का अवसर मिलता है महान पुरुषों के उदाहरण उदाहरण देते हुए सेविकाओं को अनुशासित व समर्पित होकर सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरित किया। तीसरे सत्र में महाविद्यालय प्रांगण का निरीक्षण करके जरूरत के मुताबिक संवारने का कार्य किया। अंतिम सत्र में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रीत कौर के साथ शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक स्टाफ सदस्यों तथा सभी एन एस एस विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

सिरसा। जागरूकता रैली निकालती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

एनएसएस का महत्व बताया

- राष्ट्र निर्माण में एनएसएस की महत्वपूर्ण भूमिका : दिनेश कुमार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भट्टूकलां

राजकीय महाविद्यालय भट्टूकलां में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन हुआ। प्राचार्य डॉ. सुभाष सिहाग की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर के अंतिम दिन राष्ट्रीय स्वयमसेवक संघ के जिला सहकार्यवाह दिनेश कुमार भाग लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वदेशी जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया व स्वदेशी के महत्व बारे बताया। उन्होंने कहा कि भारत को स्वतंत्रता संग्राम में स्वदेशी आंदोलन की अग्रणी भूमिका रही। स्वदेशी को अपना कर हम खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बना सकते है और साथ ही अपने देश भारत को आर्थिक रूप से विश्व पटल पर शिखर पर रखने में सफल होंगे। उन्होंने स्वदेशी भाषा, भूषा, भवन, भजन, भोजन के महत्व को विस्तार से समझाया। इससे पहले एनएसएस प्रभारी विजयवीर ने मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि द्वारा सरस्वती दीप प्रज्वलन करते हुए शुरुआत हुई। बाद स्वयंसेवकों द्वारा एनएसएस लक्ष्य गीत का वाचन किया गया। समापन समारोह में सभी स्वयंसेवकों को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र दे कर सम्मानित किया।

भट्टूकलां। एनएसएस स्वयंसेवकों को संबोधित करते मुख्य अतिथि।

स्कॉलर्स में छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन

- स्कूल कैम्पस से ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का प्रावधान शुरू किया : शैलेन भास्कर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

स्कॉलर्स कान्वेंट स्कूल में रविवार को 'स्कालरशिप कम एंट्रेंस टेस्ट' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया जिसमें 216 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर बच्चों के अभिभावक भी मौजूद रहे। टेस्ट के पश्चात स्कूल कैंपस में विशेषज्ञों की देखरेख में करियर काउंसलिंग सेमिनार भी आयोजित किया गया जिसमें बच्चों को अपना करियर ऑप्शन कैसे चुना जाए और किस स्ट्रीम का चुनाव किया जाए, के बारे में विस्तार से व्यक्तिगत तौर पर मार्गदर्शन किया गया। स्कूल के संरक्षक बनवारी लाल तनेजा और मैनेजिंग डायरेक्टर शैलेन भास्कर ने उपस्थित विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्कॉलर्स कान्वेंट स्कूल जिले का पहला ऐसा स्कूल है जहां सबसे पहले स्कूल प्रांगण में ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का प्रावधान शुरू किया गया और अब इसके परिणाम सामने आये हैं, जिसमें बच्चों को सिर्फ स्कूल में विशेषज्ञों की देखरेख में तैयारी करवाई जाती है और 'सक्सेस फ्रॉम स्कूल' की अवधारणा से बच्चे तनावमुक्त होकर और घर पर रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं।

फतेहाबाद। स्कॉलर्स कान्वेंट स्कूल में 'स्कालरशिप कम एंट्रेंस टेस्ट' के बाद विद्यार्थियों को बधाई देते स्कूल प्रबंधक।

भारत विकास परिषद ने लगाया रक्तदान शिविर

- शिविर में 105 लोगों ने रक्तदान कर पुण्य कमाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

भारत विकास परिषद शाखा भूना की ओर से रविवार को हिसार रोड स्थित अग्रवाल धर्मशाला में विशाल रक्तदान शिविर लगाया गया। यह शिविर शाखा के सचिव स्वर्गीय प्रवीण धारनिया की याद में आयोजित किया गया।

इसमें 105 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। शिविर का शुभारंभ किरण धारनिया, हरकोफेड के चेयरमैन वेद फुलां, वाइस चेयरमैन नरेंद्र बागड़ी और पंकज पसरीजा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान डॉ. दीपक बंसल ने की। मंच संचालन सुनील कंबोज ने किया। शिविर में भारत विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष कमलेश गर्ग मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए।

रक्तदान में पुरुषों के साथ महिलाओं ने भी बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। 21 महिलाओं ने रक्तदान किया। ब्लड बैंक अग्रोहा के सीनियर पैथोलॉजिस्ट डॉक्टर अनु और डॉक्टर गायत्री ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि रक्तदान से किसी की जान बचाई जा सकती है। शिविर में दंपति वीनू बिश्नोई और अग्रसेन बिश्नोई ने एक साथ रक्तदान किया।

भूना। भाविप के रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को सम्मानित करते अतिथिगण।

ये रहे मौजूद

रक्तदान प्रकल्प संयोजक आशु सिंगला और सुनील कुमार ने शिविर की संपूर्ण व्यवस्था संभाली। रक्तदाताओं को भारत विकास परिषद शाखा भूना और ब्लड बैंक अग्रोहा की ओर से प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। शिविर में रक्तदाताओं के लिए फल वितरण की सेवा विजय अग्रवाल ने की। दूध वितरण की सेवा यीशु बंसल और सतीश बंसल ने दी। इस अवसर पर गुलशन हंस, जियालाल बंसल, बालकृष्ण गिरधर, कैलाश बंसल, पूर्व प्रधान सुशील गिरधर, डॉक्टर जितेंद्र तूर, अजय रेवड़ी, सुभाष मलिक, राकेश गर्ग, सतीश गोयल, अजय तायल, पटवारी विनोद कुमार, नीना चुघ, अरुण सेठी, प्रोफेसर अनिल कुमार, आत्म प्रकाश मेहता व अन्य मौजूद रहे।

प्रभु हमेशा धर्म की रक्षा करते हैं

- द्वापर में कंस के अत्याचार को समाप्त करने के लिए प्रभु धरती पर आए : वैष्णवी भारती

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत सप्ताहिक कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन रविवार को आशुतोष महाराज की शिष्या साध्वी वैष्णवी भारती ने प्रभु के अवतारवाद के विषय में बताया। उन्होंने कहाकि प्रभु धर्म की रक्षा हेतु प्रत्येक युग में आते हैं। भक्तों का कल्याण करने तथा दुष्टों को तारने के लिए वह हर युग में अवतार लेते हैं। द्वापर में कंस के अत्याचार को समाप्त करने के लिए प्रभु धरती पर आए और गोकुल वासियों के जीवन को उत्सव बना दिया। आज कथा के माध्यम से नंद महोत्सव की धूम देखने वाली थी। साध्वी वैष्णवी भारती ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से आज सभी को गोकुल के उत्सव को देखने का सौभाग्य मिला है। सोचने की बात है कि जब नंद बाबा भगवान को टोकरी में डालकर गोकुल लेकर गए तो उस समय प्रभु हमें संदेश देते हैं कि जिस प्रकार नंद बाबा ने उन्हें सिर पर धारण किया। तभी उनकी हाथों पैरों की बेडियां टूट गई। इसी प्रकार जो मुझे जीवन में प्रथम स्थान पर रखता है। भगवान उसके लिए आत्म जाग्रति के द्वार खोल देते हैं। साध्वी ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण जी ने विभिन्न प्रकार की लीलाएं की। वो माखन चोरी करते तो भक्तों ने माखन चोर कह दिया। कथा का समापन आरती के साथ हुआ, कथा में विशेष तौर से चंद्रपाल दानेवालिया, राजीव गर्ग, राज कुमार सिंगल, साहिल बंसल, साधुराम बंसल, वीरेंद्र सिंह वीरू, हरी राम, सोहनलाल, आदेश शर्मा सहित अनेक भक्तजन मौजूद रहे।

रतिया। श्रीमद् भागवत कथा में प्रवचन करते साध्वी वैष्णवी भारती।

शहीदों के जीवन से प्रेरणा लें युवा

- मताना में शहीदों को किया गया नमन, देशसेवा का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव के शहीदी दिवस पर गांव मताना में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शहीद भगत सिंह युवा संगठन मताना द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विशेष तौर पर गांव के सरपंच एडवोकेट दलबीर वर्मा ने भाग लिया। इस अवसर पर शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए देश के विकास में अपना योगदान देने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरपंच दलबीर वर्मा ने कहा कि 23 मार्च 1931 को तीन महान क्रांतिकारी योद्धाओं भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू ने देश की आजादी के लिए लड़ते हुए युवावस्था में ही अपने प्राणों की आहूति दे दी थी। उन्होंने देश के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमकर पूरी दुनिया में एक अनूठी मिसाल कायम की थी। शहीद भगत सिंह युवा संगठन मताना के प्रधान राजेश शास्त्री ने कहा कि इन शहीदों के बलिदान की बदौलत आज हम आजादी के सुख का आनंद ले रहे हैं।

फतेहाबाद। गांव मताना में शहीदों को नमन करते सरपंच व युवा संगठन के सदस्य।

फतेहाबाद, आदमपुर के युवाओं ने लिया हिस्सा

145 कैडेट्स ने दी 'ए' सर्टिफिकेट के लिए परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

3 हरियाणा बटालियन एनसीसी हिसार के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सुनील कटारिया के दिशा-निर्देशन में गांव खाराखेड़ी स्थित रॉयल इंटरनेशनल स्कूल में 'ए' सर्टिफिकेट परीक्षा का आयोजन किया गया। स्कूल एएनओ थर्ड ऑफिसर पूनम बिश्नोई ने बताया कि इस परीक्षा में रॉयल स्कूल के अलावा शांति निकेतन स्कूल मंडी आदमपुर, वीएम विश्वास स्कूल मंडी आदमपुर, गवर्नमेंट संस्कृति मॉडल स्कूल मंडी आदमपुर, गवर्नमेंट संस्कृति मॉडल स्कूल फतेहाबाद के 147 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया जिनमें 109 लडक़े और 38 लड़कियां शामिल थे। परीक्षा के दौरान कैडेट्स की शारीरिक दक्षता, लिखित ज्ञान और परेड ड्रिल का मूल्यांकन किया गया। यह परीक्षा एनसीसी के प्रशिक्षण के मूल्यांकन का एक महत्वपूर्ण चरण होती है, जिसमें कैडेट्स को देशभक्ति, नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता जैसे गुणों के लिए परखा जाता है। सभी कैडेट्स ने अपने प्रशिक्षण व अनुशासन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

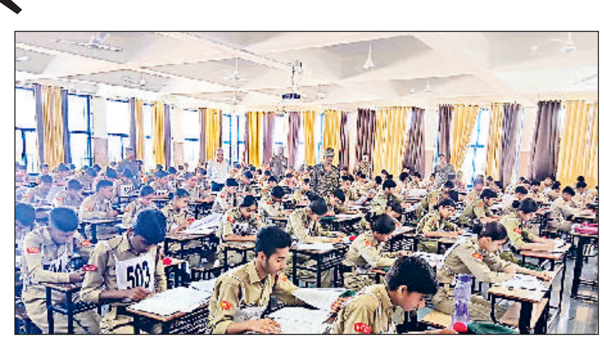

फतेहाबाद। खाराखेड़ी में एनसीसी 'ए' सर्टिफिकेट परीक्षा देते कैडेट्स।

कैडेट्स को दी शुभकामनाएं

इस अवसर पर स्कूल मैनेजमेंट की ओर से स्कूल संचालिका डॉ. ज्योत्स्ना, प्रशासक विक्रमादित्य, सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल डॉ. डीवी नेहरा रिटायर्ड उपस्थित थे। डॉ. ज्योत्स्ना ने कैडेट्स को शुभकामनाए देते हुए कहा कि एनसीसी के माध्यम से छात्र न केवल शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनते हैं, बल्कि समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी समझते हैं। कर्नल नेहरा ने परीक्षा के सफल आयोजन पर स्कूल प्रशासन और एनसीसी यूनिट को बधाई दी। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन और राष्ट्र सेवा की भावना को प्रोत्साहित करता है। इस अवसर पर थ्री हरियाणा बटालियन एनसीसी हिसार से सूबेदार उस्मान खान, सीएचएम मनोज शर्मा, सीएचएम दुरविजय यादव, हवलदार बलजिंद्र सिंह, एएनओ युनुस खान, दयानंद, रवि कंबोज, प्रवीण कुमार उपस्थित रहे। परीक्षा के सफल संचालन में सैनिक स्कूल खारा खेड़ी के ड्रिल प्रशिक्षक नायब सूबेदार देवेंद्र सिंह रिटायर्ड का विशेष योगदान रहा।